शिक्षा निदेशालय, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली

अभ्यास प्रश्न-पत्र

सत्र: 2025-2026

कक्षा - बारहवीं

समाजशास्त्र (कोड : 039)

अवधि: 3 घंटे **अधिकतम अंक: 80**

सामान्य निर्देश :

1. प्रश्न पत्र को चार खंडों में बांटा गया है।

2. कुल 35 प्रश्न हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

3. खंड क में प्रश्न संख्या 1-16 है । ये बहुविकल्पीय प्रकार के प्रश्न हैं। प्रश्न के अनुसार, एक उत्तर हो सकता है।

4. खंड ख में प्रश्न संख्या 17-25 है । ये बहुत ही लघु उत्तरीय प्रकार के प्रश्न हैं जिनमें प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का है । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 30 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए।

5. खंड ग में प्रश्न संख्या 26-32 है। ये लघु उत्तरीय प्रकार के प्रश्न हैं जिनमें प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 80 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए ।

6. खंड घ में प्रश्न संख्या 33- 35 है । ये दीर्घ उत्तरीय प्रकार के प्रश्न हैं जिनमें प्रत्येक प्रश्न 6 अंक का है । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 200 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए।

7. प्रश्न संख्या 33 का उत्तर दिए गए ग्राफिक्स की मदद से देना है।

	खंड क	
1	निम्नलिखित प्रश्न में, एक कथन “अभिकथन(A)” के रूप में दिया गया है , जिसके बाद एक दूसरा कथन “कारण (R)” के रूप में दिया गया है । नीचे दिये गए विकल्पों में से उचित उत्तर चुनें : अभिकथन(A) : सामाजिक असमानता समाज में व्यक्तियों के बीच स्थिति ,अवसर और संसाधनों की विषमता को दर्शाती है। कारण (R) : समाज में सभी व्यक्तियों को समान अवसर और संसाधन प्राप्त होते हैं। (क) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है। (ख) A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है। (ग) A सत्य है लेकिन R असत्य है। (घ) A असत्य है और R सत्य है।	1

2	निम्नलिखित प्रश्न में, एक कथन "अभिकथन(A)" के रूप में दिया गया है , जिसके बाद एक दूसरा कथन "कारण (R)" के रूप में दिया गया है । नीचे दिये गए विकल्पों में से उचित उत्तर चुनें : अभिकथन(A) : 'समानता' शब्द यह संकेत देता है कि सभी व्यक्तियों को समान अवसर मिलने चाहिए। कारण (R) : भारत के संविधान में सभी नागरिकों को समान अधिकार और अवसर प्रदान करने की व्यवस्था की गई है। (क) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है। (ख) A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है। (ग) A सत्य है लेकिन R असत्य है। (घ) A असत्य है और R सत्य है।	1
3	पूर्वाग्रह का अर्थ है – एक समूह द्वारा दूसरे समूह के प्रति रखे गए पूर्वनिर्धारित विचार या दृष्टिकोण। इसका अर्थ निम्न में से क्या हो सकता है – I. यह पूर्वनिर्धारित (पूर्वकल्पित) विचारों से जुड़ा होता है। II. यह व्यक्ति की मानसिकता या मनोवृत्ति को दर्शाता है। III. यह सीधे तौर पर किसी व्यवहार या क्रिया के रूप में प्रकट होता है। IV. यह पूर्वनिर्धारित विचारों पर आधारित नहीं होता। सही विकल्प चुनिए: (क) I और II (ख) II और III (ग) I और IV (घ) III और IV	1
4	निम्नलिखित प्रश्न में, एक कथन "अभिकथन(A)" के रूप में दिया गया है , जिसके बाद एक दूसरा कथन "कारण (R)" के रूप में दिया गया है । नीचे दिये गए विकल्पों में से उचित उत्तर चुनें : अभिकथन(A) : भारत की संसदीय, विधि और शिक्षा व्यवस्था ब्रिटिश प्रारूप और प्रतिमानों पर आधारित है। कारण (R) : भारत ने उपनिवेशकाल में ब्रिटिश शासन से अनेक संस्थागत और सांस्कृतिक परंपराएँ ग्रहण कीं, जैसे कि संसद प्रणाली, न्याय व्यवस्था, पोशाक शैली और खानपान की आदतें। (क) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है। (ख) A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है। (ग) A सत्य है लेकिन R असत्य है। (घ) A असत्य है और R सत्य है।	1
5	निम्नलिखित में से कौन-सा सामुदायिक पहचान के बारे में असत्य है? (क) यह अर्जित योग्यता के बजाय जन्म और अपनेपन की भावना पर आधारित होती है। (ख) यह "हम क्या हैं" को दर्शाती है, न कि "हम क्या बन गए हैं" को। (ग) यह पूरी तरह व्यक्ति की आर्थिक स्थिति पर आधारित होती है। (घ) यह व्यक्तियों को साझा पहचान की भावना प्रदान करती है।	1

6	हरित क्रांति के अधिकांश क्षेत्रों में मध्यम एवं बड़े किसानों ने ही नई तकनीक का लाभ उठाया, क्योंकि – a) छोटे किसानों को नई तकनीक में रुचि नहीं थी। b) नई तकनीक में निवेश अधिक था जिसे छोटे किसान वहन नहीं कर सकते थे। c) सरकार ने केवल बड़े किसानों को प्राथमिकता दी थी। d) बड़े किसान अधिक परिश्रमी थे।	1
7	मैनेजर मुख्यतः श्रमिकों की उत्पादकता बढ़ाने का प्रयास करते हैं – a) कार्य के दिनों की संख्या घटाकर b) कार्य के घंटे बढ़ाकर या प्रति घंटे उत्पादन बढ़ाकर c) श्रमिकों को अधिक विश्राम देकर d) मशीनों के उपयोग को कम करके	1
8	निम्नलिखित प्रश्न में, एक कथन "अभिकथन(A)" के रूप में दिया गया है , जिसके बाद एक दूसरा कथन "कारण (R)" के रूप में दिया गया है । नीचे दिये गए विकल्पों में से उचित उत्तर चुनें : अभिकथन(A) : किसी भी समूह का संस्कृतीकरण उसकी प्रस्थिति को स्थानीय जाति संस्तरण में उच्चता की तरफ़ ले जाता है। कारण (R) : सामान्यतया यह माना जाता है कि संस्कृतीकरण संबंधित समूह की आर्थिक अथवा राजनीतिक स्थिति में सुधार है । (क) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है। (ख) A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है। (ग) A सत्य है लेकिन R असत्य है। (घ) A असत्य है और R सत्य है।	1
9	स्वतःस्फूर्त और असंगठित विरोध प्रदर्शन को सामाजिक आंदोलन क्यों नहीं कहा जा सकता ? a) क्योंकि उनमें निरंतर सामूहिक कार्यवाही और संगठन की कमी होती है। b) क्योंकि वे हमेशा सरकारी नीतियों का समर्थन करते हैं। c) क्योंकि वे कानूनी होते हैं और राज्य द्वारा मान्यता प्राप्त होते हैं। d) क्योंकि वे तुरंत सामाजिक परिवर्तन लाते हैं।	1
10	निम्नलिखित प्रश्न में, एक कथन "अभिकथन(A)" के रूप में दिया गया है , जिसके बाद एक दूसरा कथन "कारण (R)" के रूप में दिया गया है । नीचे दिये गए विकल्पों में से उचित उत्तर चुनें : अभिकथन(A) : भारत में कृषि केवल आजीविका का साधन ही नहीं बल्कि जीवन का एक तरीका भी है। कारण (R) : भारत की अनेक सांस्कृतिक परंपराएँ और त्यौहार, जैसे पोंगल, बिहू और बैसाखी, कृषि चक्र और फसल कटाई के मौसम से जुड़े हुए हैं। (क) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है। (ख) A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है। (ग) A सत्य है लेकिन R असत्य है। (घ) A असत्य है और R सत्य है।	1

	दिए गए गद्यांश को पढ़ें **आधुनिक भारत में स्त्रियों की स्थिति का प्रश्न उन्नीसवीं सदी के मध्य वर्गीय सामाजिक सुधार आंदोलनों के एक हिस्से के रूप में उदित हुआ। इन आंदोलनों का स्वरूप सभी क्षेत्रों में एक जैसा नहीं था। उन्हें अक्सर मध्य वर्गीय सुधार आंदोलनों की संज्ञा इसीलिए दी जाती थी कि इन सुधारकों में से बहुत से लोग नए उभरते हुए पाश्चात्य शिक्षा प्राप्त भारतीय मध्य वर्ग से थे।** **दिए गए गद्यांश के आधार पर, प्रश्न 11 और प्रश्न 12 का उत्तर दें**	
11	**उन्नीसवीं सदी के भारत के सामाजिक सुधार आंदोलनों को आधुनिक भारतीय समाज को समझने में महत्वपूर्ण क्यों माना जाता है?** **(क) क्योंकि ये केवल धार्मिक सुधारों तक सीमित थे।** **(ख) क्योंकि इन्होंने सामाजिक परिवर्तन और स्त्री अधिकारों के लिए संगठित प्रयासों की शुरुआत की।** **(ग) क्योंकि इन आंदोलनों ने पाश्चात्य शिक्षा और विचारों का विरोध किया।** **(घ) क्योंकि इनका मुख्य ध्यान आर्थिक सुधारों पर था।**	**1**
12	**निम्नलिखित में से 19वीं शताब्दी के भारत में सामाजिक सुधार आंदोलनों के बारे में कौन-सा कथन सत्य नहीं है?** **(a) वे सभी क्षेत्रों में समान थे।** **(b) उन्होंने महिलाओं के अधिकारों को प्रोत्साहित किया।** **(c) कई सुधारक पश्चिमी शिक्षित थे।** **(d) उन्होंने सती जैसी सामाजिक बुराइयों का विरोध किया।**	**1**
	दिए गए गद्यांश को पढ़ें - **किसान आंदोलन या कृषक संघर्ष औपनिवेशिक काल से पहले के दिनों में शुरू हुआ। यह आंदोलन 1858 और 1914 के बीच स्थानीयता, विभाजन और विशिष्ट शिकायतों से सीमित होने की ओर प्रवृत हुआ। 1859-62 का विद्रोह जो कि नील की खेती के विरुद्ध था, और 1857 का दक्कन विद्रोह, जो कि साहूकारों के विरोध में था।** **दिए गए गद्यांश के आधार पर प्रश्न 13 और 14 का उत्तर दीजिए।**	
13	**निम्नलिखित में से कौन-सा कथन भारत के किसान आंदोलनों के बारे में सही नहीं है?** **a) प्रारंभिक किसान आंदोलन प्रायः स्थानीय थे और विशेष शिकायतों पर आधारित थे।** **b) चंपारन और बारदोली सत्याग्रह गांधीजी के नेतृत्व से जुड़े थे।** **c) 1970 के दशक के नए किसान आंदोलन गैर-दलीय और क्षेत्रीय रूप से संगठित थे।** **d) सभी किसान आंदोलन केवल वन से संबंधित मुद्दों तक सीमित थे।**	**1**

14	निम्नलिखित किसान आंदोलनों की घटनाओं को सही कालानुक्रमिक क्रम में लगाइए – I. बिहार प्रोविंसिएल किसान सभा II. नील की खेती के विरुद्ध चंपारन सत्याग्रह III. बंगाल में तिभागा आंदोलन IV. पंजाब और तमिलनाडु में नए किसान आंदोलन विकल्प: a) I., II., III., IV. b) II., I., III., IV. c) III., II., I., IV. d) IV., III., II., I.	1
15	औद्योगिक क्रांति के समय मजदूरों और कारीगरों ने विरोध क्यों किया? a) क्योंकि उन्हें अवकाश नहीं मिलता था। b) क्योंकि उन्हें अमानवीय जीवन स्थितियों में रहना पड़ता था। c) क्योंकि वे सरकार बदलना चाहते थे। d) क्योंकि वे गाँव लौटना चाहते थे।	1
16	निम्नलिखित प्रश्न में, एक कथन "अभिकथन(A)" के रूप में दिया गया है , जिसके बाद एक दूसरा कथन "कारण (R)" के रूप में दिया गया है । नीचे दिये गए विकल्पों में से उचित उत्तर चुनें : अभिकथन(A) : छोटी खदानों में कार्य की परिस्थितियाँ अक्सर असुरक्षित होती हैं। कारण (R) : कई ठेकेदार मज़दूरों का सही अभिलेख रिकॉर्ड नहीं रखते हैं। (क) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है। (ख) A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है। (ग) A सत्य है लेकिन R असत्य है। (घ) A असत्य है और R सत्य है।	1
	खंड ख	
17	विद्वज्जन इस बात पर सहमत हैं कि औपनिवेशिक काल के दौर में सभी प्रमुख सामाजिक संस्थाओं में और विशेष रूप से जाति व्यवस्था में प्रमुख परिवर्तन आए। वस्तुतः कुछ विद्वान तो कहते हैं कि आज जिसे हम जाति के रूप में जानते हैं वह प्राचीन भारतीय परंपरा की अपेक्षा उपनिवेशवाद की ही अधिक देन है। विद्वानों के अनुसार वर्तमान जाति व्यवस्था को प्राचीन भारतीय परंपरा की निरंतरता के बजाय औपनिवेशिक निर्मिति क्यों माना जाता है?	2
18	औद्योगीकरण का संबंध यांत्रिक उत्पादन के उदय से है जो शक्ति के गैरमानवीय संसाधन जैसे वाष्प या विद्युत पर निर्भर होता है। बहुत सारी पश्चिमी समाजशास्त्रीय पुस्तकों में यह बताया गया है कि अति विकसित परंपरात्मक सभ्यताओं में भी खेत या जमीन पर उत्पादन से संबंधित कार्य करने के लिए अधिकाधिक मानवों की आवश्यकता होती थी। अपेक्षाकृत निम्न तकनीकी विकास की वजह से बहुत ही कम लोग कृषि के कार्य से अतिरिक्त कुछ अन्य आसान व्यवसाय कर सकते थे। "औद्योगीकरण ने उत्पादन के यांत्रिक साधन प्रस्तुत करके मानव श्रम पर निर्भरता को कम कर दिया।" क्या आप इस कथन से सहमत हैं? कारण बताइए।	2

	अथवा	
	“औपनिवेशिक शासन को अक्सर भारतीय इतिहास में विदेशी शासन के अन्य रूपों में से एक माना जाता है।” क्या यह धारणा सही है? अपने उत्तर के कारण बताइए।	
19	**“परिवार मानव जीवन का अभिन्न अंग है, फिर भी उसकी संरचना सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक कारणों से निरंतर बदलती रहती है।” क्या यह कथन सत्य है? अपने उत्तर के पक्ष में कारण दीजिए।**	**2**
20	**विश्वभर में निर्योग्यता / अक्षमता के पारंपरिक दृष्टिकोण को स्पष्ट कीजिए। इसके दो प्रमुख लक्षण बताइए।**	**2**
21	**अल्पसंख्यक शब्द का समाजशास्त्रीय अर्थ स्पष्ट कीजिए।**	**2**
22	**औपनिवेशिक भारत में 1901 की जनगणना को महत्त्वपूर्ण क्यों माना गया ?**	**2**
	अथवा	
	‘प्रबल जाति’ से आप क्या समझते हैं? दो उदाहरण दीजिए।	
23	**अक्सर औपनिवेशिकता को केवल एक राजनीतिक विजय के रूप में देखा जाता है। पूंजीवाद द्वारा लाए गए आर्थिक परिवर्तनों के संदर्भ में आप इस कथन को असत्य कैसे सिद्ध करेंगे ?**	**2**
24	**“औद्योगीकरण रेलगाड़ियों, बसों और साइबर कैफ़े जैसे कुछ स्थानों पर समानता लाता है, लेकिन कार्यस्थलों में पुराने भेदभाव के रूप अब भी बने हुए हैं।” यदि औद्योगीकरण सामाजिक भेदभाव को पूरी तरह समाप्त कर दे लेकिन नई आर्थिक असमानताएँ पैदा कर दे, तो क्या होगा?**	**2**
25	**किसी सामाजिक आंदोलन का उद्देश्य और स्वरूप लोगों के दृष्टिकोण पर निर्भर करता है। किसी एक उपयुक्त उदाहरण की सहायता से स्पष्ट कीजिए।**	**2**
	खंड ग	
26	**माल्थस के अनुसार, जनसंख्या की वृद्धि और खाद्य आपूर्ति की वृद्धि एक समान दर से नहीं होती। इस असंतुलन के दो-दो परिणाम बताइए – (क) जनसंख्या पर (ख) संसाधनों की उपलब्धता पर**	**4**

27	राष्ट्रीय विकास की नीतियों का जनजातीय समाज पर क्या प्रभाव पड़ा है – स्पष्ट कीजिए	4
28	ताराबाई शिंदे की पुस्तक *'स्त्री-पुरुष तुलना'* समाज में किस प्रकार की असमानताओं को उजागर करती है? उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।	4
29	"भारत के समाज सुधार आंदोलन केवल सामाजिक प्रथाओं को बदलने तक सीमित नहीं थे, बल्कि उन्होंने धर्म और आधुनिकता की नई परिभाषा गढ़ने का प्रयास किया।" – उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।	4
30	कृषि के बढ़ते व्यापारीकरण ने ग्रामीण जीवन को किस प्रकार परिवर्तित किया और गाँवों में सामाजिक व आर्थिक बदलाव कैसे लाए?	4
31	सामाजिक आंदोलनों को प्रतिदानात्मक , सुधारवादी और क्रांतिकारी के रूप में वर्गीकृत करने का कारण स्पष्ट कीजिए।	4
	अथवा	
	औपनिवेशिक भारत में कारखाने मुख्यतः ब्रिटिश हितों की पूर्ति के लिए स्थापित किए गए थे। उक्त कथन को उचित ठहराइए।	
32	"हरित क्रांति ने जहाँ एक ओर कृषि उत्पादकता में वृद्धि की, वहीं इसने ग्रामीण भारत में सामाजिक और आर्थिक असमानताओं को भी गहरा किया।" इस कथन को उचित ठहराइए।	4
	खंड घ	
33	दिए गए आँकड़ों के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।	

चार्ट 1: भारत में जन्म एवं मृत्यु दरें 1901–2017

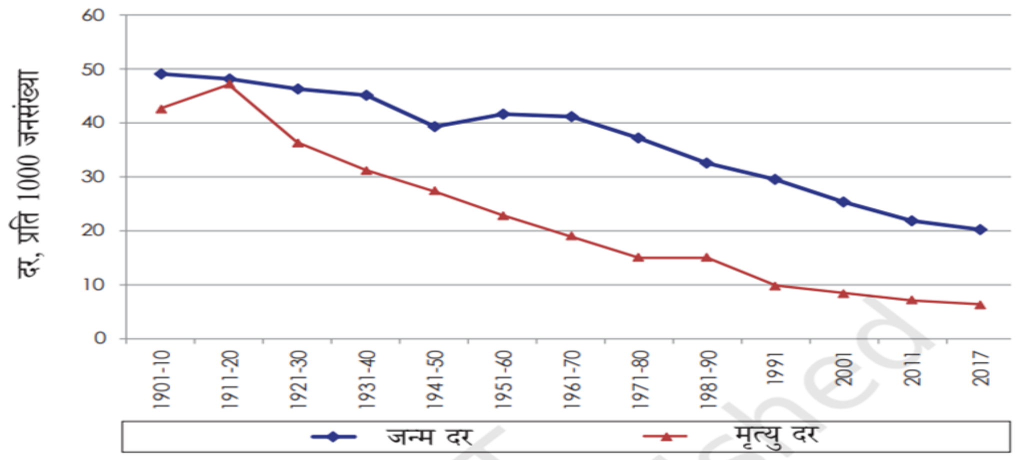

स्रोतः राष्ट्रीय जनसंख्या आयोग, भारत सरकार
वेबसाइटः https://populationcommission.nic.in/facts1.htm# राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्रालेख 2018, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार; आर्थिक सर्वेक्षण 2018–19, भारत सरकार।

	(क) भारत में मृत्यु दर घटने के बावजूद जनसंख्या तेज़ी से क्यों बढ़ी? स्पष्ट कीजिए। (ख) मृत्यु दर में कमी के प्रमुख सामाजिक एवं आर्थिक कारणों का उल्लेख कीजिए। (प्र. 33. दृष्टि बाधित अभ्यर्थियों के लिए) दिए गए गद्यांश के आधार पर प्रश्नों के उत्तर दीजिए। भारत विश्व में चीन के बाद दूसरा सबसे बड़ी जनसंख्या वाला देश है, सन 2011 की जनगणना के अनसुार इसकी कुल जनसंख्या 121 करोड़ (यानी 1.21 अरब) है। वर्ष 1901-1951 के बीच औसत वार्षिक संवृद्धि दर 1.33% से अधिक नहीं हुई जो कि एक साधारण संवृद्धि दर कही जा सकती है । सच तो यह है कि 1911 से 1921 के बीच संवृद्धि की दर नकारात्मक यानी ऋणात्मक रूप से -0.03% रही। (क) भारत में मृत्यु दर घटने के बावजूद जनसंख्या तेज़ी से क्यों बढ़ी? स्पष्ट कीजिए। (ख) मृत्यु दर में कमी के प्रमुख सामाजिक एवं आर्थिक कारणों का उल्लेख कीजिए।	4 2 4 2
34	भारत में नागरिक समाज की भूमिका हाल के दशकों में विस्तृत हुई है। स्पष्ट कीजिए कि नागरिक समाज संगठनों की गतिविधियाँ किस प्रकार विविध हुई हैं और उन्होंने राज्य की जवाबदेही सुनिश्चित करने में किस प्रकार योगदान दिया है।	6
35	उदारीकरण के भारत की अर्थव्यवस्था और समाज पर प्रमुख प्रभावों की सूची बनाइए तथा उनका संक्षिप्त वर्णन कीजिए।	6